वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 53 | सोमवार 17 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने 'वृक्ष मित्र सम्मान' प्रदान किए

पेड़ लगाएं और बाद में उनका संरक्षण और पोषण भी करें, प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के लिए सब मिलकर कार्य करें

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रकृति और पर्यावरण की भारतीय संस्कृति का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने अधिकाधिक पेड़ लगाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति के आंतरिक संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास की सोच को मूर्त रूप दें। उन्होंने कहा कि वृक्ष एवं वनस्पतियां भूमि को उन्नत और उर्वरा ही नहीं बनाते बल्कि सबका भरण पोषण भी करते हैं। मिश्र रविवार को कल्पतरू संस्थान द्वारा आयोजित 'वृक्ष मित्र सम्मान समारोह' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्थान की ओर से वृक्ष मित्र के रूप में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक सम्मान के रूप में प्रतिदिन एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने वाली उमा व्यास को सम्मानित किया। उन्होंने वृक्ष मित्र के रूप में पर्यावरण कार्यकर्ता के.पी. कनाल, अशोक थोरात, गौतमराज शर्मा, रेणु राष्ट्रदीप, संदीप, उषा, अंजू चौधरी, ऋषि, रितेश दुबे को सम्मानित किया। उन्होंने वहीं परिंदो के लिए परिण्डा अभियान की भी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन दृष्टि प्रकृति पूजक रही है। इसके पीछे बड़ा वैज्ञानिक तथ्य यही है कि पारिस्थितिकी संतुलन बना रहे। उन्होंने राजस्थान में खेजड़ली में शमी वृक्ष 'खेजड़ी' के लिए किए गए बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हमारे यहां पेड़ बचाने के लिए लोगों ने अपनी जान की भी परवाह नहीं की है। उन्होंने प्रकृति के पंचभूत तत्वों का उल्लेख करते हुए पेड़ लगाने और उनके संरक्षण के लिए भी सभी को कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने पेड़ों को धरती का श्रृंगार बताते हुए हरी-भरी धरा के लिए सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इतने पेड़ लगे कि पर्यावरण का अपने आप संरक्षण हो। अधिक से अधिक लोग वृक्ष मित्र बनें। इससे पहले कल्पतरु संस्थान के 'ट्री मैन ऑफ इण्डिया' के रूप में चर्चित विष्णु लाम्बा ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने जयपुर एनवायरमेंट फेस्टिवल-प्री लांचिंग के पोस्टर का विमोचन किया। आरंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

थड़ी मार्केट दिगंबर जैन मंदिर जयपुर में होगा उपाध्याय वृषभानंद मुनि महाराज का वर्षा योग

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर समिति थड़ी मार्केट जयपुर द्वारा उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 50 स्थित ली डायमंड बैंक्विट हॉल में आयोजित वषायौग घोषणा कार्यक्रम में आचार्य वसुनंदी महाराज से उपाध्याय वृषभानंद महाराज ससंघ के वर्षा योग का निवेदन किया तो आचार्य श्री ने सहर्ष से स्वीकृति प्रदान की। थड़ी मार्केट जैन समाज के अध्यक्ष पवन जैन ने बताया कि समाज के द्वारा उपाध्याय श्री का वर्षा योग करने का अनवरत प्रयास किया जा रहा था उसी क्रम में एक बस नोएडा सेक्टर 50 उनके गुरुवर आचार्य वसुनंदी महाराज को श्री फल भेट कर निवेदन किया तो आचार्य ने भरे पंडाल में अपने मुखारविंद से स्वीकृति प्रदान की तो समाज के युवाओं में हर्ष की लहर दौड़ गई। आचार्य वसुनंदी महाराज के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पवन जैन, मंत्री अनिल जैन, युवा मंडल अध्यक्ष सिद्धू सेठी, पंकज लुहाड़िया,मनीष जैन महावीर कासलीवाल कमलकांत जैन, महिला मंडल अध्यक्ष भंवरी देवी जैन सहित जैन समाज के महिला व पुरुष उपस्थित रहे।

मर्म चिकित्सा पर विशेष कार्यशाला आयोजित हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 16 जून, 2024रविवार को प्रातः 9.30 बजे केसरगढ़ कैंपस, जे के लोन हॉस्पिटल के सामने,जे एल एन मार्ग जयपुर स्थित , एक्यू- एड मर्म चिकित्सा कार्यालय पर 42वीं मर्म चिकित्सा विज्ञान कार्यशाला हुई,जिसमें प्रसिद्ध आयुर्वेद विद्वानों द्वारा मर्म बिंदुओं को दबाने से व उपलब्ध घरेलू आयुर्वेद औषधियों से शारीरिक व मानसिक रोगों का कम खर्च में कैसे उपचार हो इस पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता प्रो. विकास शर्मा प्राचार्य, शोभित आयुर्वेद विश्व विद्यालय,सहारनपुर यूपी के वरिष्ठ आयुर्वेद विशेषज्ञ आमजन में कोरॉना से कमजोर हुई इम्यूनिटी पर अपना व्याख्यान दिया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ पीयूष त्रिवेदी मर्म चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डाला। सेमीनार का शुभारंभ धन्वंतरि पूजन से किया । इस कार्यशाला की संचालिका डा शिल्पा त्रिवेदी ने बताया कि यह 42वी मर्म विज्ञान कार्यशाला है । डा. आर. एस. भारद्वाज सुजोक, डा.महेश कुमार अग्रवाल फिजियो थेरेपी विषेषज्ञ , रेड क्रास के डॉ. महेश कुमार शर्मा, डा. रंग नाथ शर्मा आयुर्वेद विशेषज्ञ आदि ने अपने विचार रखे ,कार्य शाला का समापन मोती लाल मीणा (पूर्व विधायक सवाई माधोपुर) के द्वारा किया गया ।

माहेश्वरी स्कूल तिलक नगर के 1979 बैच का स्नेह मिलन हुआ आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज माहेश्वरी हायर सेकेंडरी स्कूल, 1979 बैच के पूर्व छात्रों का स्नेह मिलन आयोजित किया। 45 वर्षों के इतिहास को समेटे इस गेट टुगेदर में अनेक विषयो पर चर्चा हुई। 1979 से 1982 तक की यादों को संजोये सभी साथियो ने अपने अपने अनुभव बांटे। डॉ. राकेश जैन (अतिरिक्त प्राचार्य, एसएमएस मेडिकल कॉलेज), डॉ. अनिल जैन, रिहैब्लिटेशन, डॉ. सुदीप जैन, ई एन टी, डॉ. संदीप विजय,नेत्र विशेषज्ञ, डॉ. दीपक चौहान, फिजिशियन, डॉ. महेश महेश्वरी, फिजिशियन, डॉ. विष्णु शर्मा (प्रोफेसर एवं पूर्व कुलपति, बीकानेर वेटरनरी कॉलेज), राकेश जैन (आकाशवाणी), अरुण खटोड (महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी, जयपुर), रजा साबरी (नर्सिंग ट्रेनर), संदीप वशिष्ठ,शिक्षाविद, विनोद पाराशर, फार्मा, सतीश मालपानी,उद्यमी, रवींद्र शर्मा, फार्मा व्यवसायी, मनोज चावला (संपादक, मनोघोष), और केशव पंजवानी, व्यवसायी और उत्तम शर्मा, पार्षद ने दक्षता कैम्पस में बैठक कर विभिन्न जवलंत विषयो पर चर्चा की। साथ ही जयपुर शहर के स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सभी सहपाठियो ने मिलकर जयपुर में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और प्रतिमाह स्कूलों में विभिन्न स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

बापू नगर जैन समाज द्वारा किया परिण्डों का वितरण

मन में है ठाना परिंदों को बचाना है : अध्यक्ष उमरावमल संघी

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग द्वारा उमरावमल संघी की अध्यक्षता में आज पार्श्वनाथ पार्क, गणेश मार्ग बापू नगर में जयपुर में बेजुबान पक्षियों के लिए जगह-जगह बांधे जाने हेतु परिंडों का वितरण हुआ। जिसमें सम्भाग क्षेत्र के 9 सेक्टर प्रतिनिधियों में महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग के अध्यक्ष उमरावमल संघी ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी के सफल अभियान के माध्यम से सम्भाग द्वारा पक्षियों के लिए हर साल परिडे बांधती हैं। इस बार भी विभिन्न जगहों पर परिडे बांधकर उनमें दाना-पानी डालने का संकल्प लिया है। साथ ही लोगों को भी संदेश दिया कि सभी बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा के लिए आगे आएं। संस्था के रमेश बोहरा एवं मनोज झांझरी व संजय पाटनी ने बताया कि बताया कि पर्यावरण के साथ ही मानव जाति के लिए भी परिदों का जिंदा रहना जरूरी है। इस अवसर पर प्रदीप कुमार जैन, ज्ञानचन्द झांझरी, मनीष बैद, लक्ष्मीचन्द जैन, उमरावमल संघी, रमेश बोहरा, राजकुमार सेठी, मनोज झांझरी, संजय पाटनी, विजय पाण्ड्या, निर्मल झांझरी, राजकुमार जैन पर्ल, पवन बज, अनिल बिन्दायक्या, सूरज अजमेरा, समाज गौरव त्रिशाला गोधा, सुरीला सेठी, ज्योत्सना काला, वीणा बोहरा, सुलोचना मोदी, अलका बाकलीवाल, शकुन बाकीवाला, संगीता रारा, राजकुमारी अजमेरा, रेणु लुहाड़िया, माला बिन्दायक्या, चित्रा डंडिया उपस्थित थे। अध्यक्ष उमरावमल संघी परिवार द्वारा परिडों का वितरण किया गया। संचालन मनीष बैद ने किया।

आर्यिका गुरुमां नंदीश्वरमति माताजी का धर्मनगरी पलाड़ा में हुआ मंगल प्रवेश

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

कुचामन सिटी। पलाड़ा मे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दो दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा, कलशारोहण, ध्वजारोहण एवं विश्वशांति महायज्ञ का धार्मिक आयोजन 18 जून 2024 से 19 जून 2024 तक आयोजित होगा।कार्यक्रम आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य और माताजी संघस्थ बाल ब्रह्मचारिणी करुणा दीदी और बाल ब्रह्मचारिणी दीपा दीदी के मार्गदर्शन एवम प्रतिष्ठाचार्य डॉक्टर पंडित सनतकुमार जैन शास्त्री जयपुर और प्रतिष्ठाचार्य पंडित डॉक्टर आशीष जैन शास्त्री के निर्देशन में होगा। रविवार को आर्यिका माताजी का मिठड़ी से मंगल विहार कर धर्मनगरी पलाड़ा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश के दौरान जैन समाज ने माताजी ससंघ की गाजे बाजे के साथ भव्य अगवानी की। माताजी के आगमन पर गांव में जगह जगह रंगोलियां,स्वागतद्वार सहित जैन समाज सहित अन्य समाजों के भी स्वागत बैनर लगे नजर आए वही माताजी के मंगल प्रवेश में महिला पुरुष हाथो में जैन ध्वज और जयघोष करते नजर आए। इस दौरान मनोज जैन,सुमेरचंद जैन,सुभाष बज,प्रभुदयाल बज,अनिल बज, कैलाश बज, कैलाश पांड्या, उमंग जैन ,अरविंद जैन सहित कुचामन, मिठड़ी, मकराना, नावा के जैन समाजबंदू मौजूद रहे।

लाल गोविंद दास जी ने ध्रुव और प्रहलाद चरित्र की कथा सुनाकर श्रोताओ को किया भाव विभोर

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री गोविंद देवजी मंदिर के सान्निध्य में में चल रही 404 वी भागवत कथा तृतीय दिवस में कथा व्यास लाल गोविंददास जी ने भगवद्भक्तों को परम भक्त शिरोमणि ध्रुव चरित्र झाँखी एवं प्रह्लाद नरसिंह प्रागट्य की अद्भुद कथा सुनाई ' उपास्थित श्रद्धालुओं ने कथा का खूब आनंद उठाया। पूरा प्रांगण भक्तिमय हो गया। श्रीमद्भागवत प्रेम यज्ञ कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में भक्त श्री गोविंद देवजी मंदिर पहुंच रहे हैं। कथा के तीसरे दिन कथा व्यास लाल गोविंददास जी ने कहा कि भक्तों का अपमान करने वाले व्यक्ति का विनाश हो जाता है। उन्होंने ध्रुव और प्रहलाद कथा सुनाते हुए कहा कि भक्त और भगवान के बीच का रिश्ता पावन प्रेम है। भगवान भक्त के वश में होते हैं। भक्तों का अपमान करने या भक्ति का मजाक उड़ाने वाले का सर्वनाश निश्चित है। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में भक्त मौजूद रहे। यजमान शुभम बुढ़वारिया ने बताया कि कथा में उपास्थित श्रद्धालुओं ने कथा का खूब आनंद उठाया। पूरा प्रांगण भक्तिमय हो गया। कथा से संबंधित सुंदर सुंदर झांकियों का भी दर्शन करने का सौभाग्य श्रोतागण को मिला। संगीत कलाकार द्वारा भक्तिमय संगीत पर श्रोता झुमने और नाचने से अपने आप को रोक नहीं पाए। कथा के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रीमद् भागवत एवं ठाकुर जी का आरती पूजन किया। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण हुआ।

वेद ज्ञान

मौन की शक्ति अपार है...

आमतौर पर वाणी को विराम देना मौन कहलाता है, किंतु 'मौन' का वास्तविक अर्थ मात्र चुप रहना ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक व्यापक है। वास्तव में मौन समस्त इंद्रियों को बाह्य जगत से हटाकर अंतस की ओर केंद्रित करना है। 'गीता' में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- गोपनीय रखने योग्य भावों में मौन मैं हूं। मौन सतत प्रक्रिया है, जो आपके चुप रहने से आरंभ होकर गहन सत्य की खोज तक अनवरत चलती रहती है। मौन हमें अंतर्मुखी बनाता है। अंतर्मुखी व्यक्ति ही आत्मा और परमात्मा के गूढ़ रहस्य को भली-भांति समझते हुए ईश्वर का साक्षात्कार कर पाता है। इसलिए अध्यात्म पथ के पथिकों के लिए मौन को साधना का उपयोगी अंग माना गया है। मौन वह शून्यावस्था है जहां व्यक्ति अंतर्मुखी होकर अनंत की वाणी और आत्मा की पुकार को सुन सकता है। सृष्टि में संपूर्ण जड़ जगत तो मौन का ज्वलंत उदाहरण है ही, यहां रहने वाले जीव-जंतु और पशु-पक्षी भी उतना ही बोलते हैं जितना आवश्यक है। उनका मौन प्राकृतिक है। मौन की शक्ति अपार है। अव्यक्त होकर भी मौन की भाषा अभिव्यक्त हो जाती है। महान कवि विलियम वड्र्सवर्थ प्रकृति के अनन्य उपासक थे। उन्होंने अपने काव्य को मौन और नीरवता का वरदान कहा है। महर्षि रमण प्रायः मौन रहा करते और उसी अवस्था में लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान कर दिया करते थे। मौन वाणी का तप है। मौन से भीतरी राग-द्वेष, ईर्ष्या, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों का नाश होकर मनुष्य की वाणी सिद्ध व पवित्र होती है। मौन साधना द्वारा व्यक्ति का आत्मबल और कार्य करने की क्षमता बढ़ती है। रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में कहें तो मौन के वृक्ष पर सदैव शांति के ही फल लगते हैं। मौन का आश्रय लेकर व्यर्थ की कटुता, कलह और विवादों से बचाव के साथ ही मिथ्या वचन, अपशब्दों के प्रयोग, परनिंदा व अनर्गल बकवास जैसे वाणी के पापों से भी बचा जा सकता है। मौन व्यक्ति की अज्ञानता और मूर्खता पर आवरण डालने में भी सहायक है। भर्तृहरि ने मौन को अज्ञानता का ढक्कन बताते हुए ज्ञानियों की सभा में अज्ञानियों के लिए मौन को सर्वोत्तम आभूषण और रक्षा-कवच बताया है। ध्यान रहे कि मुख से निकले शब्द कभी वापस नहीं लौटते।

संपादकीय

महंगाई से बढ़ रहीं जनता की मुश्किलें

महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए टेढ़ी खीर बना हुआ है। मई में थोक महंगाई पिछले पंद्रह महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई। अब यह 2.61 फीसद पर है, जबकि अप्रैल में यह 1.26 फीसद थी। इसी अवधि में पिछले वर्ष यह नकारात्मक 3.61 फीसद पर थी। जबकि इसके उलट खुदरा महंगाई मई में घट कर 4.75 फीसद पर पहुंच गई, जो इस वर्ष का सबसे निचला स्तर है। थोक महंगाई पिछले तीन महीने से लगातार बढ़ रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का कहना है कि खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल और गैस तथा अन्य विनिर्माण उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इस वर्ष मई में थोक महंगाई बढ़ी। खासकर सब्जियों की थोक कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखी गई। सब्जियों की थोक महंगाई दर 32.42 फीसद रही। प्याज की थोक महंगाई दर 58.05 फीसद और आलू की 64.05 फीसद दर्ज की गई। भारतीय रिजर्व बैंक आमतौर पर खुदरा महंगाई दर के आधार पर अपनी मौद्रिक नीतियों में बदलाव करता है। मगर मई में खुदरा महंगाई पांच फीसद से कम होने के बावजूद उसने रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया। इसलिए कि उसका अनुमान है कि अभी महंगाई का रुख अनिश्चित बना रहेगा और उसमें उतार-चढ़ाव आ सकता है। आमतौर पर थोक महंगाई का असर खुदरा महंगाई पर पड़ता है। जो चीजें थोक में महंगी होती हैं, उनकी खुदरा कीमतें भी बढ़ती हैं। मगर बीते मई महीने में यह क्रम उलटा देखा गया। थोक महंगाई बढ़ी, पर खुदरा महंगाई कम हुई। महंगाई बढ़ने के पीछे आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का तर्क दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध और फिर इजराइल-हमास संघर्ष के चलते दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही है। जाहिर है, इसका असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा है। मगर यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। भारत में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी कई वर्ष से हो रही है, जिसका प्रभाव माल ढुलाई पर देखा गया है। मई महीने में तेल की कीमतें इतनी बढ़ी भी नहीं कि उसका सीधा प्रभाव थोक महंगाई पर पड़े। फिर, खुदरा महंगाई घटी हुई कैसे दर्ज हुई, जबकि इसका असर उस पर भी पड़ना चाहिए था। दरअसल, खाने-पीने की चीजों की कीमतों में असंतुलन की बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय व्यापार है। महाराष्ट्र के किसान लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं कि प्याज को निर्यात के लिए खोल दिया जाए, मगर सरकार ने उस पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसकी वजह से उन्हें अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही और खुदरा बाजार में औने-पौने दाम पर बेचना पड़ रहा है। इसके उलट, बाहर से दालों, फलों, खाद्य तेल आदि पर आयात शुल्क घटा या हटा देने की वजह से घरेलू जिंस की जगह विदेशी चीजें थोक बाजार में अधिक पहुंचने लगी हैं। यह समझना मुश्किल है कि जो खाद्य वस्तुएं अपने यहां जरूरत से अधिक पैदा हो रही हैं, उनकी घरेलू बाजार में खपत बढ़ाने पर जोर देने के बजाय विदेशी वस्तुओं की आवक क्यों बढ़ाई जाती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दोनों पक्षों के साथ न्याय के लिए निष्पक्ष जांच जरूरी

एक नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में बंगलुरु की एक अदालत ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पाक्सो कानून के तहत गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। हालांकि अगली सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई है, पर इस प्रकरण से उनके दामन पर जो दाग लगा है, वह धुलेगा या नहीं, कहना मुश्किल है। एक किशोरी की मां ने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने अपने आवास पर उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया। हालांकि येदियुरप्पा के वकील का कहना है कि आरोप लगाने वाली महिला आदतन इसी तरह लोगों का भयादोहन करती रही है। येदियुरप्पा के खिलाफ कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण है। चूंकि मामला पाक्सो कानून के तहत दर्ज किया गया है, इसलिए येदियुरप्पा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण बता कर वे इससे बच पाएंगे, कहना मुश्किल है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि राजनेताओं पर कई बार कुछ ऐसे आरोप उनके प्रतिपक्षियों द्वारा भी साजिशन लगा दिए जाते हैं, ताकि वे उलझे रहें और उनका राजनीतिक भविष्य अंधकारमय हो जाए। येदियुरप्पा कर्नाटक के एक प्रभावशाली नेता हैं और उन्होंने वहां भाजपा की जड़ें मजबूत की हैं। बेल्लारी बंधुओं से निकटता और कुछ ठेकों के आबंटन में पक्षपातपूर्ण निर्णयों की वजह से वे विवादों में जरूर आए थे, पर उनका जनाधार बहुत कमजोर नहीं हुआ। इस वक्त कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। इसलिए उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई का तर्क कुछ देर ठहर भी सकता है, मगर आखिर उनके विवेक और आचरण पर तो सवाल रहेंगे ही। सार्वजनिक जीवन में राजनेता का आचरण बहुत मायने रखता है। कैसे एक किशोरी के साथ उनका व्यवहार ऐसा अमर्यादित रहा, जो यौन उत्पीड़न की श्रेणी में मान लिया गया और अदालत ने भी उसे सही पाया। इस मामले में

कितनी सच्चाई है, यह निष्पक्ष रूप से सामने आनी चाहिए। इसे राजनीतिक प्रभाव में दबाने का प्रयास किया जाएगा, तो उस किशोरी के साथ अन्याय होगा। फिर इस तरह के यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश लगाना मुश्किल ही रहेगा।

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 71 रोगी हुए लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

गुलाबपुरा । श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के तृतीय रविवार को कैंप अस्पताल परिसर में लगाया गया । संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया की कैंप में राजस्थान हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो डॉक्टर विक्रम बोहरा ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 71 मरीजों को सेवा प्रदान की एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया। आज के कैम्प के लाभार्थी श्री प्राज्ञ जैन गौशाला सरवाड़ के अध्यक्ष तेज सिंह पानगड़िया, गौरव पानगड़िया रहे। शिविर में डॉक्टर विक्रम बोहरा ने मरीजों को मृगी रोग से बचाव व योगा के बारे में विस्तार से समझाते हुए इसके नियमित रूप से करने पर जोर दिया। संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने संस्था की गतिविधि की जानकारी दी, अध्यक्ष घेवरचंद श्रीश्रीमाल ने लाभार्थी परिवार का स्वागत, कार्याध्यक्ष मूल चंद नाबेडा एवम कोषाध्यक्ष पारस मल बाबेल ने आभार व्यक्त किया। शिविर में राजकुमार मेहता, सरदार मल डोसी, मनभर देवी डोसी, मदनलाल लोढ़ा, मदन लाल रांका, सुरेश लोढ़ा, सुशील चौधरी, के डी मिश्रा सहित गणमान्य व्यक्तियो ने सेवाएं प्रदान की। शिविर का संचालन पदम खटोड़ ने किया।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 187 मरीजों की हुई जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया

शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के बैनर तले व संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 137वाँ निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर रविवार को महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल सेक्टर 7 विद्याधर नगर जयपुर में आयोजित किया गया। जिसमें 187 मरीजों ने आंखों की जांच करवाई तथा136 व्यक्तियों को चश्मे वितरण किए गए एवं 11 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर में संस्था के सदस्य नथमल बंसल, विनोद गुप्ता, अनिल कुमार सिंगडोदिया, सुरेश कुमार अग्रवाल, सुरेश सिंगडोदिया, बजरंग लाल गर्ग, शिवकुमार जालान, दिलीप अग्रवाल, नाथूराम बीजाका , सुरेश भूतिया, मुकेश मीणा, राजेंद्र सिंह उपस्थित हुए।

नेट थिएट पर तबला रास, तबले की तिरकिट पर ताले नाच उठी

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज युवा तबला कलाकार पीयूष कुमार राव ने तबले पर अपनी उंगलियों का ऐसा जादू चलाया की दर्शक वाह-वाह कर उठे। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की तबला नवाज पीयूष राव ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत उठान, पेशकार, कायदा फरुर्खाबाद घराना, दिल्ली घराने का कायदा और बनारस घराने का चाला बजाकर लोगों की तालियां बटोरी । इसके बाद पीयूष ने अपने तबला वादन में मध्यलय में परण, फरमाइशी, टुकड़ा, रेला, तिहाई,चक्रधर तिहाई,कुछ लय बोलबत और लगी लड़ी तिरकिट बजाई और जयपुर घराने की कुछ गते परण पर उंगलियों का ऐसा जादू चलाया कि लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इनके साथ हारमोनियम पर युवा संगीतज्ञ भानु कुमार राव ने सुरीली संगत से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी मनोज स्वामी ने किया। कार्यक्रम में प्रकाश व्यवस्था सागर गढ़वाल, कैमरा मनोज स्वामी, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

समाज के बीच में मिल जुलकर रहना चाहिए ताकि सभी हमारे सुख दुःख में सहभागी बनेः स्वस्ति भूषण माताजी

केशवरायपाटन. शाबाश इंडिया। परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वामी भूषण माताजी ने कषाय के विषय में समझाया उन्होंने कहा कि जिन जिन भावों के कारण से पाप कर्म का बंध होता है उसे कषाय कहते है। शोक के माध्यम से भी पाप का बंध होता है। जब किसी का मरण हो जाता है उसको शोक कहते हैं। मरण के पश्चात जो परिवार जनों के मन में विचार चल रहे हैं स्मृति में कष्ट हो रहा है वियोग में पीड़ा हो रही है उसको कहते हैं शोक। भगवान महावीर ने सूतक पातक बताया है। हमें सूतक पातक मानना क्यों आवश्यक है। जब कोई आयु से पहले मरण को प्राप्त हो जाये तो बड़ा शोक हो जाता है। जिसके घर में शोक होता है वह तेरह दिन तक अकेला नहीं रहता है उसके परिजन नाते रिश्तेदार समाज आदि उसके दुःख बाँटने आते हैं! अगर वह अकेला रहे तो शोक में बहुत अधिक डूब जायेगा। समाज किस लिए होती है इसीलिए कि वह सुख दुःख में एक दूसरे के साथ खड़ी रहे! इसीलिए कहते हैं हमें समाज के बीच में मिल जुल कर रहना चाहिए ताकि सभी हमारे सुख दुःख में सहभागी बने। आज कल के बच्चे कहते हैं हमें नहीं जाना समाज में पापा आप जाओ रिश्तेदारी में। समाज के बिना बहुत परेशानियां हैं! समाज में रहकर गलत कार्यों के करने से बच जाते हैं! दुःख बंट जाते हैं! हालांकि शोक को कषाय कहा है लेकिन संसार में रहकर ये ना हो ऐसा हो नहीं सकता है।संसार यानि मोह! मोह यानि संसार। जितना ज्यादा मोह उतना ज्यादा शोक जितना ज्यादा शोक उतना ज्यादा मोह! अगर मोह नहीं तो शोक भी नहीं। सीधा सीधा गणित है। किसको कितना दुःख हुआ जाने का जिसको जितना मोह था उसको उतना शोक हुआ! हम अखबार में सबके शोक संदेश पढ़ते हैं कभी विचार आया कि एक दिन हमारा भी शोक सन्देश छपेगा। हमें सबकी खबर है लेकिन अपनी खबर नहीं है! धर्म सिखाता है कि सबकी खबर छोडो और अपनी खबर लो। हम मनुष्य पर्याय में क्या करने आये हैं क्या करने आये हैं? घर वालों से मोह ना हो ऐसे दो ही व्यक्ति हो सकते हैं पहला ज्ञानी या दूसरा पागल। ज्ञानी को पता है कि मोह का परिणाम क्या है! दूसरा पागल उसको कुछ पता ही नहीं है मोह क्या है? परिवार होता क्या है?

वार्षिक महोत्सव पर हुआ पार्श्वनाथ भगवान का महा मस्तिष्काभिषेक

पाठशाला के कलशों की स्थापना हुई

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। पछाड़ीखेडा रोड़ स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर की तेईस वी वर्षगांठ श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में श्री पार्श्वनाथ ट्रस्ट कमेटी के संयोजक में भक्ति भाव से भगवान के महा मस्तिष्काभिषेक के साथ भक्तों के जय जय कार के बीच श्रद्धा पूर्वक मनाई गई । इस दौरान श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला पार्श्वनाथ मन्दिर के कलशों की स्थापना ट्रस्ट कमेटी के राजेन्द्र कुमार कल्लू भइया, कमेटी के संयोजक मनोज कुमार रन्नौद, नगर की लाइफ लाइन डा डी के जैन एवं संजीव कुमार महावीर टी दारा, युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मंत्रोच्चार के बीच स्थापित किया गया । समारोह का शुभारंभ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारंभ हुआ दीप प्रज्जवलन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, संयोजक मनोज रन्नौद, पूर्व संयोजक डॉ डी के जैन, मनोज धुर्रा चक्की सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा परम पूज्य आर्यिका रत्न श्री मृदुमति माताजी कि प्रेरणा से इस जिनालय की नींव पच्चीस वर्ष पहले पड़ी और आचार्य भगवंत के आशीर्वाद से आर्यिकारत्न गुणमतिमाता जी ससंघ के सान्निध्य में सन-दो हजार दो में इस भव्य जिनालय की प्रतिष्ठा हुई तब ही से हम सब भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी की भक्ति का आनंद ले रहे।

फादर्स डे पर अंदेश्वर तीर्थ पर गुरूदेव श्री पुण्य सागरजी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया

अंदेश्वर पारसनाथ जी. शाबाश इंडिया। फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के संस्थापक सदस्य एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया ने फादर्स डे पर वरिष्ठ जैन मुनि श्री पुण्य सागरजी महाराज से अतिशय क्षैत्र अंदेश्वर पारसनाथ जी मे वागड़ की सुख समृद्धि एवं खुशहाली के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारिणी वीणा दीदी, बिगुल, रैना जैन, दिगंबर जैन समाज गढ़ी के अध्यक्ष संदीप जैन, सुषमा जैन, कुसुम कोठिया, प्रज्ञा जैन, प्रतिनव कोठिया, अंकिता सारगिया, दियाना सारगिया, जैनी जैन, कवीर सारगिया तथा स्वतंत्र तलाटी, राकेश जैन बड़ौदा सहित कई भक्त उपस्थित थे। गुरूदेव ने 14-15 जुलाई को इडर मे आयोज्य फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह एवन हूमड़ चेतना महाकुंभ की सफलता के लिये भी आशीर्वाद दिया।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन, विधान में 512 अर्घ्य पूजन कर चढ़ाए

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

भीलूडा नौगामा जिला बांसवाड़ा । सकल दिगम्बर जैन समाज भीलूडा के तत्वावधान में शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भीलूड़ा में सिद्ध चक्र महामंडल विधान के नव दिवसीय आयोजन के सातवे दिन रविवार को विविध धार्मिक संगीतमय अनुष्ठान हुए। प्रातः कालीन मूल नायक शांतिनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक शांतिधारा गुरुदेव आज्ञासागर महाराज ससंघ एवम मुनि शैलनंदि तथा मुनि यादवेंद्र सागर ससंघ के सानिध्य में किया गया। बाहर विधान पांडाल में शांतिनाथ भगवान के अभिषेक का लाभ भरडा ओमप्रकाश अमृतलाल परिवार को मिला। मन्दिर में बड़ी शान्तिधारा अभिषेक का लाभ सुरेंद्र शाह परिवार को मिला। मुनि संघ के पाद प्रक्षालन का लाभ गांधी राजेन्द्र मीठालाल परिवार नोगामा ने लिया।आयोजक परिवार भरड़ा शांता देवी स्वः चांदमल भरड़ा,दीपिका जयंत कुमार भरड़ा , शीला दीपक कुमार भरड़ा, संध्या भावेश कुमार भरड़ा है। दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजन का शुभारम्भ अतिथियां के द्वारा किया गया। गांव के गणमान्य आगंतुक अतिथि पूर्व उप प्रधान नरेंद्र पंड्या, विहिप के सहमंत्री नरेंद्र भगत, समाजसेवी विनोद कुमार पंड्या, सुनील पंड्या, प्रभाशंकर पुरोहित, कमला शंकर जोशी, उमेश पंड्या, हेमेंद्र जोशी का आयोजक परिवार एवम समाजजनो द्वारा स्वागत किया गया।

जैन महिला महासमिति का प्रथम पुरस्कार डॉ श्रुति जैन को

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा राज्य स्तरीय श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर श्री श्रुतस्कन्ध यन्त्र सजाओ प्रतियोगिता शीला डोडिया, शालिनी बाकलीवाल के नेतृत्व में रखी गई, जिसमें प्रथम स्थान संभाग वरुण पथ मानसरोवर की डाक्टर श्रुति जैन को प्राप्त हुआ। संस्थापक अध्यक्ष चंद्रकांता छाबड़ा, परामर्शक हीरा मणि छाबड़ा, मिथलेश गोधा, अध्यक्ष तारा मणि गोधा, मंत्री अनिता लुहाड़िया, कोषाध्यक्ष बबीता पाटनी, कृष्णा जैन, पिंकी जैन, अंजू जैन के संयोजन में रखी गयी। इस अवसर पर अरुण पाटनी, अजीत बज, सुनील जैन गंगवाल, हेमेंद्र सेठी, अनिल पाटनी उपस्थित थे।

111 वां निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार, दिनांक 16 जून, 2024 को स्व. श्री विजय कुमार सुराणा की स्मृति में विज्ञान समिति परिसर में प्रातः 10 से 12 बजे तक विज्ञान समिति एवं महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 111 वां निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे चिकित्सकगण डॉ. आई. एल.जैन (वरिष्ठ फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ.अरुण कुमार बापना (वरिष्ठ फिजिशियन), डॉ.अनुराग तलेसरा, वीर डॉ.अजय सांखला (अस्थिरोग विशेषज्ञ), वीर डॉ.रमेश सेठिया (यूरोलॉजिस्ट), वीरा डॉ. सुशीला सांखला (स्त्री रोग विशेषज्ञ), वीरा डॉ.अनुष्का झोटा (दंत चिकित्सक), योगेश्वर चौबीसा, डॉ.राकेश दशोरा (आयुवेर्दाचार्य), श्री एस . एन.लड्ढा, (एक्युप्रेशर) डॉ.दीपक शर्मा, डॉ. सरोज दाहिमा (फिजियोथेरेपिस्ट) एवं अन्य चिकित्सा सहयोगी ने सेवाएं प्रदान की। इस शिविर में सभी रोगियो को निशुल्क चिकित्सा प्रदान कर उचित परामर्श दिया गया। इस शिविर में 32 रोगियों को परामर्श व उपचार प्रदान किया गया। शिविर में 8 तकनीकी सहायकों ने विभिन्न रोगियों की जाँच की। शिविर में विज्ञान समिति कुलप्रमुख एवं महावीर इंटरनेशनल के संस्थापक सदस्य वीर डॉ.के.एल.कोठारी, श्री मुनीष गोयल चिकित्सा सेवा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ.बी.एल. चावत व अन्य सदस्यों ने अपनी सेवायें प्रदान की। महावीर इंटरनेशनल उदयपुर के अध्यक्ष वीर सुनील गांग एवं उनकी संस्था के 17 सेवाभावी सदस्यों ने अपनी सेवाएँ प्रदान की। हृदय रोग-24, मधुमेह-30, सामान्य-28, अस्थिरोग-04, आयुर्वेद-02, एक्यूप्रेशर-04, थायराइड-04, ई.सी.जी.-4, ब्लड प्रेशर-27 रोगियों की निःशुल्क जाँच की गई। शिवीर में महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र के अध्यक्ष वीर सुनील गांग, वीरा विमला कोठारी, वीर गणेश डागलिया, डॉ. गजेंद्र भंसाली, वीर सुशील सिंघवी, वीरा डॉ.कमला कंवरानी, वीरा कल्पना सिंघवी, वीरा कमलेश खमेसरा, वीर महेंद्र खमेसरा, वीर सुरेश सिसोदिया, वीरा मंजू सिसोदिया, वीर एम . पी.जैन, वीर सुरेश चंद्र बेरीवाल एवं विज्ञान समिति सदस्यगण की सराहनीय सेवाएं रही। आप सभी का केंद्र की ओर से बहुत बहुत आभार।

विश्वशांति महायज्ञ के साथ शांतिनाथ महामंडल विधान सम्पन्न

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़ । निकटवर्ति श्री 1008 सिद्धक्षेत्र आहार जी (टीकमगढ़) मे शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव उमंग के साथ किया गया।सर्वप्रथम बड़े बाबा का जलाभिषेक व शांतिधारा करने का सौभाग्य अशोक जैन अनुराग जैन डूडा वालों को प्राप्त हुआ।इसके उपरांत शांतिनाथ महामंडल विधान का संगीतमय वाचन पंडित जयकुमार जैन बड़ागांव के कुशल निर्देशन में स्मृतिशेष बाबूलाल जी जैन की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य मे किया गया। विश्व मे सुख,शांति समृद्धि की कामना हेतु श्री शांतिनाथ भगवान के सम्मुख विश्व शांति महायज्ञ किया गया। कार्यक्रम मे प्रकाश सिंघई मुकेश जैन धीरेन्द्र सिंघई पत्रकार संजय जैन शिक्षक आदि श्रावको ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

विश्वशांति महायज्ञ के साथ शांतिनाथ महामंडल विधान सम्पन्न

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। निकटवर्ति श्री 1008 सिद्धक्षेत्र आहार जी (टीकमगढ़) मे शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव उमंग के साथ किया गया।सर्वप्रथम बड़े बाबा का जलाभिषेक व शांतिधारा करने का सौभाग्य अशोक जैन अनुराग जैन डूडा वालों को प्राप्त हुआ।इसके उपरांत शांतिनाथ महामंडल विधान का संगीतमय वाचन पंडित जयकुमार जैन बड़ागांव के कुशल निर्देशन में स्मृतिशेष बाबूलाल जी जैन की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य मे किया गया।विश्व मे सुख,शांति समृद्धि की कामना हेतु श्री शांतिनाथ भगवान के सम्मुख विश्व शांति महायज्ञ किया गया। कार्यक्रम मे प्रकाश सिंघई मुकेश जैन धीरेन्द्र सिंघई पत्रकार संजय जैन शिक्षक आदि श्रावको ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

JSG Jain Social Groups International Federation Grow more to Serve more

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

पदम - प्रीति सोगाणी

सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

17 जून' 24

Happy Anniversary

9252417579

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: सुनील सोगानी, आई पी पी: राहुल जैन

संस्थापक अध्यक्ष: मनीष झांझरी

पूर्व अध्यक्ष: अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष: संजय जैन

उपाध्यक्ष: अजय बड़जात्या, सचिव: विशुतोष चाँदवाड

सह सचिव: महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष: सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

महेश नवमी पर निकाली प्रभात फेरी व हुए कई कार्यक्रम

नरेश सिंगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। रावतसर महेश्वरी समाज सेवा समिति द्वारा महेश नवमी पर स्थानीय महेश्वरी भवन में आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में रावतसर महेश्वरी समाज के सभी लोगों ने भाग लिया। सुबह 6 बजे प्रभात फेरी निकाली गई जो मुरली मनोहर मंदिर गढ़ के पास से शुरू होकर बाजार के मुख्य मुख्य मार्गो से होते हुए महेश्वरी भवन पहुंची प्रभात फेरी का जगह जगह अग्रवाल समाज, ब्राह्मण समाज, माहेश्वरी बंधुओं ने फूल बरसा कर स्वागत किया। 9 बजे सुंदर कांड का पाठ किया गया व प्रसाद का वितरण किया गया रात्रि 8 बजे समाज के वरिष्ठ लोगों को व हनुमानगढ़ जिला महेश्वरी समाज के जिला अध्यक्ष रवि शंकर मूंधड़ा व महिला मंडल की जिला अध्यक्ष संजू बिहानी अपनी पूरी कार्यकारिणि सहित उपस्थित हुए जिनको भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महेश्वरी महिला मंडल की हनुमानगढ़ जिला अध्यक्ष श्रीमती संजू बिहानी ने भी रावतसर महिला मंडल को समय समय पर समाजहित में कार्य करने व महिलाओं को आगे बढने के लिए प्रेरित किया रावतसर महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।रावतसर महेश्वरी समाज के अध्यक्ष नरेश सोमानी ने महेश्वरी समाज को जागरूक रह कर समाज के कार्यों में हमेशा बढ़-चढ़कर उपस्थित रहने के लिए आह्वान किया। प्रदेश कार्य करिणी के रतन लाल लाहोटी , सुरेंद्र बिहानी, पवन बिहाणी, मनोज करवा, जय किशन , हेमंत बिहानी, राहुल मूंधड़ा , अजय अग्गीवाल, उम्मेद बागड़ी,नथमल, लक्ष्मी नारायण सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे । रावतसर महेश्वरी समाज अध्यक्ष नरेश सोमानी ने सभी आगंतुको लोगो का आभार व्यक्त किया मंच का संचालन सुरेंद्र बिहानी ने किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com